



Naveen



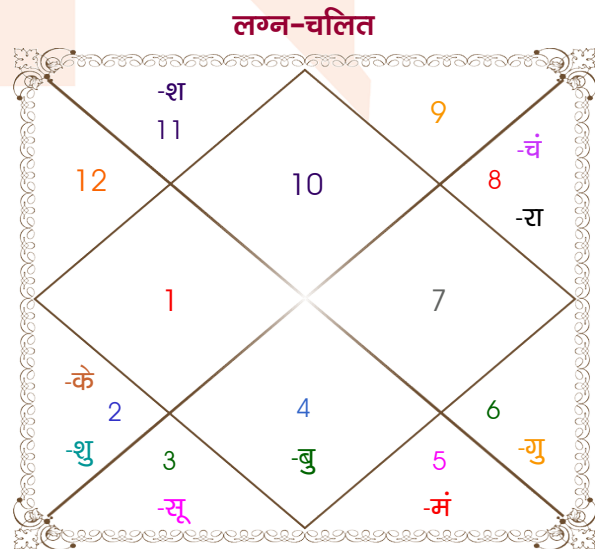
Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121864003

पुल्लिंग :	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991 :	जन्म तिथि	01/07/1993
गुरुवार :	दिन	गुरुवार
घंटे 21:35:00 :	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 39:37:33 :	जन्म समय(घटी)	42:44:00 घटी
India :	देश	India
Bhatpara :	स्थान	Sikar
22:51:00 उत्तर :	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व :	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04 :	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58 :	सूर्योदय	05:36:37
16:55:09 :	सूर्यास्त	19:28:59
23:44:51 :	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:15

<b>विंशोत्तरी</b> <b>शनि 16वर्ष 6मा 9दि</b> <b>केतु</b> <b>18/05/2025</b> <b>17/05/2032</b>	<b>अंश</b> 29:59:28 20:59:59 05:04:11 21:13:20 10:43:48 16:42:54 04:34:45 07:22:28 17:29:32 17:29:32 17:05:41 20:43:52 26:19:23	<b>राशि</b> मिथु तुला वृश्चि तुला वृश्चि सिंह कन्या मक धनु मिथु धनु धनु तुला	<b>ग्रह</b> लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध व गुरु शुक्र शनि व राहु केतु हर्ष व नेप व प्लूटो व	<b>राशि</b> मक मिथु वृश्चि सिंह कर्क कन्या वृष कुंभ वृश्चि वृष धनु धनु तुला	<b>अंश</b> 28:46:43 16:03:55 17:36:47 11:05:24 04:29:11 12:20:40 01:35:51 06:11:06 18:17:54 18:17:54 26:52:20 26:16:31 29:13:33	<b>विंशोत्तरी</b> <b>बुध 15वर्ष 9मा 15दि</b> <b>शुक्र</b> <b>17/04/2016</b> <b>17/04/2036</b>	<b>शुक्र</b> 17/08/2019 सूर्य 16/08/2020 चन्द्र 17/04/2022 मंगल 17/06/2023 राहु 17/06/2026 गुरु 15/02/2029 शनि 17/04/2032 बुध 16/02/2035 केतु 17/04/2036
---	--	---	---	--	--	---	---



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।**

**अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Naveen की कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।